वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 29 सितम्बर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

अमर उजाला

पूविवि : नवाचार को उड़ान देने का मौका, 30 को होगा ओरिएंटेशन कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के नवाचारी विचारों को मंच देने और उन्हें उद्यमिता से जोड़ने के लिए 30 सितंबर को ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की थीम लेट्स इनोवेट फॉर ए बेटर टुमारो रखा गया है।

सह-संयोजक इनोवेशन चैलेंज एवं सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नितेश जायसवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर अब तक 120 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। इनमें 60 विद्यार्थियों ने अपने आइडिया भी जमा कर दिए हैं।

आवेदन की प्रक्रिया 29 सितंबर की रात तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज एवं उत्तर प्रदेश इनोवेशन चैलेंज में प्रतिभाग करने की प्रक्रिया और अवसरों की जानकारी दी जाएगी।

विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में दोपहर एक बजे से

इनोवेशन चैलेंज के लिए 120 विद्यार्थियों ने किया आवेदन

60 ने जमा किया अपना आइडिया

कार्यक्रम होगा। इसमें विद्यार्थियों को इनोवेशन चैलेंज की थीम, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आइडिया और प्रोटोटाइप प्रस्तुतीकरण, मूल्यांकन प्रक्रिया, पुरस्कार, मेंटरशिप, पेटेंट तथा स्टार्टअप की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देना है।

विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक, परास्नातक और शोधार्थियों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का जोर विद्यार्थियों के विचारों को केवल प्रतियोगिता तक सीमित रखने के बजाय उन्हें उपयोगी नवाचार और उद्यम के रूप में विकसित करने पर बल दिया जाएगा।

अमर उजाला

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता पर जोर, नियमित पठन-पाठन करें

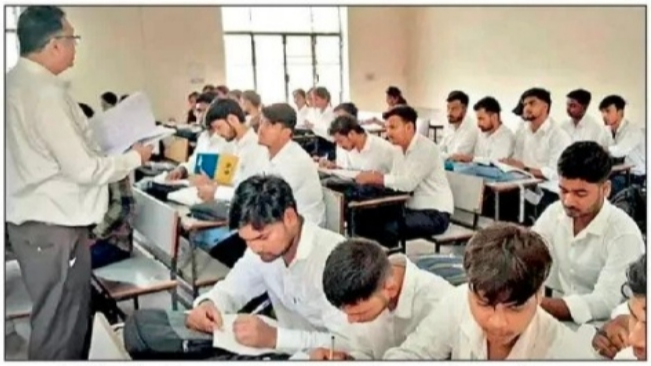
कुलपति ने इंजीनियरिंग संकाय के विद्यार्थियों से किया संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आरके सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। शोधार्थियों और छात्रों से संवाद कर शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली।

कुलपति ने कक्षाओं के संचालन, पठन-पाठन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं, उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों और आधारभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर भी जोर दिया।

कहा कि विश्वविद्यालय की पहचान केवल भवनों और संसाधनों से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, सक्रिय शोध और विद्यार्थियों के समग्र विकास से बनती है। कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ नियमित संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करना चाहिए।



इंजीनियरिंग संकाय के विद्यार्थियों से संवाद करते कुलपति। पूविवि

शोधार्थियों और छात्रों से संवाद करके शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज और सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर इंजीनियरिंग के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर मौजूद रहे।

शशांक का डीएसटी इंस्पायर फेलोशिप में चयन

जलालपुर। कुटीर चक्के महाविद्यालय के छात्र शशांक यादव का चयन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के डीएसटी इंस्पायर फेलोशिप के लिए हुआ है।

शशांक यादव खुटहन मझगवां कला के रहने वाले हैं। शशांक ने अपनी प्राइमरी शिक्षा गांव के प्राइमरी विद्यालय से और परास्नातक तक की पूरी शिक्षा कुटीर महाविद्यालय चक्के से ही प्राप्त की है।

फेलोशिप के तहत उन्हें 5 वर्षों तक शोध के लिए भारत सरकार की ओर से फेलोशिप व शोध अनुदान दिया जाएगा।

इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार और क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शशांक के उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राघवेंद्र पांडेय ने कहा कि शशांक को मिला महाविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। इससे कॉलेज की गरिमा बढ़ी है। महाविद्यालय उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। संवाद

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
कौटिल्य का भारत

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पीयू की पहचान : कुलपति

नियमित पठन-पाठन, शोध और विद्यार्थी हित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है। इसलिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करें। विद्यार्थियों की उपस्थिति, नियमित कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पठन-पाठन, कक्षाओं की नियमितता और विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, मंगलवार, 29 सितम्बर, 2026

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पीयू की पहचान

बोले कुलपति

नियमित पठन-पाठन, शोध और विद्यार्थी हित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है। इसलिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करें। विद्यार्थियों की उपस्थिति, नियमित कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पठन-पाठन, कक्षाओं की नियमितता और विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।



छात्रों को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. आर.के. सिंह

अमर भारती

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पीयू की पहचान : कुलपति

नियमित पठन-पाठन शोध और विद्यार्थी हित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

अमर भारती ब्यूरो



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है। इसलिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा।

उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करें। विद्यार्थियों की उपस्थिति, नियमित कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पठन-पाठन, कक्षाओं की नियमितता और विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पीयू की पहचान : कुलपति



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है। इसलिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करें। विद्यार्थियों की उपस्थिति, नियमित कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पठन-पाठन, कक्षाओं की नियमितता और विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

जौनपुर धारा

कक्षा, शोध और विद्यार्थियों के संवाद को शैक्षणिक गुणवत्ता का केंद्र बनाने पर जोर

कुलपति ने इंजीनियरिंग संकाय के विभिन्न विभागों का किया निरीक्षण, विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर जानीं समस्याएं

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों और शोधार्थियों से संवाद कर शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति और पठन-पाठन की स्थिति की समीक्षा की। इसके अलावा शोध गतिविधियों,



प्रयोगशालाओं में उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा विभागों की आधारभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवन और संसाधनों से निर्धारित नहीं होती, बल्कि कक्षाओं में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध गतिविधियों और विद्यार्थियों के समग्र विकास से इसका आकलन होता है।

उन्होंने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर शैक्षणिक वातावरण को मजबूत करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ निरंतर संवाद कर उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझना चाहिए और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति और कक्षाओं के संचालन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कुलपति कई कक्षाओं में भी पहुंचे और विद्यार्थियों से सीधे बातचीत की। उन्होंने पठन-पाठन, कक्षाओं की नियमितता तथा विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में विद्यार्थियों से जानकारी ली। इस दौरान विद्यार्थियों की समस्याओं और सुझावों को भी सुना गया। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज और सकारात्मक संवाद बनाए रखने को कहा। इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक और संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

अमृत प्रभात

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पीयू की पहचान : कुलपति

नियमित पठन-पाठन, शोध और विद्यार्थी हित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

अमृत प्रभात, जौनपुर (नि.सं.)।
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।



कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है। इसलिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करें। विद्यार्थियों की उपस्थिति, नियमित कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पठन-पाठन, कक्षाओं की नियमितता और विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

टेबल टेनिस प्रतियोगिता में अमृत लाल का चयन

अमृत प्रभात, सोनभद्र (नि.सं.)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की अंतर महाविद्यालयीय टेबल टेनिस (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता में एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर के छात्र अमृत लाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय की टीम में अपना स्थान पक्का किया है। प्रतियोगिता का आयोजन सावित्रीबाई फुले स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चकिया (चंदौली) में किया गया। अमृत लाल का चयन प्रतियोगिता के बेस्ट पांच खिलाड़ियों में हुआ है। इसके साथ ही वह आगामी माह असम में आयोजित होने वाली अंतर विश्वविद्यालय (पूर्वी क्षेत्र) टेबल टेनिस प्रतियोगिता में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ का प्रतिनिधित्व करेंगे। अमृत लाल की इस उपलब्धि पर संस्था के प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार यादव ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

छह दिन बाद चांदपुर फीडर की बिजली बहाल

अमृत प्रभात, गोंडा (नि.सं.)। 220 केवीए जेल रोड पावर हाउस से पोषित चांदपुर फीडर की बिजली छह दिन बाद सोमवार को बहाल होने से उपभोक्ताओं के चेहरे खिल उठे। 22 सितंबर से बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। 23 सितंबर को हुई तेज बारिश और आंधी ने पहले ही जनजीवन के साथ फसलों को भी प्रभावित किया था। इसके बाद लगातार बिजली गुल रहने से ग्रामीणों की मुश्किल और बढ़ गई थी। बिजली न होने से घरों में पेयजल की व्यवस्था प्रभावित रही। मोबाइल चार्ज करने से लेकर घरेलू कामकाज तक में लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। कई परिवारों को जरूरी कामों के लिए वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहना पड़ा। लगातार छः दिन तक आपूर्ति बाधित रहने से उपभोक्ताओं में नाराजगी भी रही। एसडीओ भारत सिंह ने बताया कि चांदपुर फीडर की लाइन काफी लंबी है। खराबी वाले स्थान तक पहुंचकर लाइन दुरुस्त करने और आपूर्ति बहाल करने में समय लगा। वहीं उपभोक्ताओं का आरोप है कि पावर हाउस कंट्रोल रूम का सीयूजी नंबर कई बार नेटवर्क से बाहर रहता है। जिससे शिकायत दर्ज कराने में भारी परेशानी होती है। सोमवार को बिजली बहाल होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली और रोजमर्रा के कामकाज पटरी पर लौटने की उम्मीद जताई।

NIP

NORTHERN INDIA PATRIKA

Quality from Classroom to Research Defines Purvanchal University: Vice-Chancellor



Jaunpur. With the objective of further strengthening the academic quality and effectiveness of Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Vice-Chancellor Prof. R. K. Singh inspected various departments of the Faculty of Engineering on Monday. During the inspection, he interacted with heads of departments, faculty members, employees and research scholars and reviewed academic, research and administrative activities being carried out in the departments.

During the inspection, the Vice-Chancellor reviewed the regular conduct of classes, student attendance, teaching and learning, research activities, laboratories and available resources, administrative work and basic facilities. He also stressed the need to maintain cleanliness, discipline and a time-bound working system in the departments.

Prof. R. K. Singh said academic quality at a university is determined not merely by buildings, resources or administrative arrangements, but by meaningful classroom interaction, regular teaching, active research and the overall development of students. He said all departments must work in coordination with one another and continuously strive to create a quality academic environment.

He said the classroom is the centre of the university's academic system and students are its most important component. Teachers have a responsibility to maintain regular interaction with students, understand their academic difficulties and make effective efforts to address them. Student attendance, regular classes and quality learning should not be neglected under any circumstances.

During the inspection, the Vice-Chancellor visited several classrooms and interacted directly with students. He sought feedback on teaching and learning, regularity of classes and departmental academic activities and listened to their concerns and suggestions. He also instructed teachers to maintain an open, positive and constructive dialogue with students.

आज

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पीयू की पहचान-वाइसचांसलर

नियमित पठन-पाठन, शोध और विद्यार्थी हित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।



निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है। इसलिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करें। विद्यार्थियों की उपस्थिति, नियमित कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पठन-पाठन, कक्षाओं की नियमितता और विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

उम्मीद ऑफ पब्लिक (हिन्दी दैनिक)

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पीयू की पहचान: कुलपति

उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य



से कुलपति प्रो. आरके सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है। इसलिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करें। विद्यार्थियों की उपस्थिति, नियमित कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पठन-पाठन, कक्षाओं की नियमितता और विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र एकता जागरण

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पीयू की पहचान : कुलपति

नियमित पठन-पाठन, शोध और विद्यार्थी हित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

स्वतंत्र एकता जागरण



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है। इसलिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा।

तेजस टुडे

दिल्ली/महाराष्ट्र/मध्य प्रदेश/राजस्थान/हरियाणा/तेलंगाना

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पूर्वांचल की पहचान: कुलपति

नियमित पठन-पाठन, शोध एवं विद्यार्थी हित के कार्यों को प्राथमिकता देने के दिये निर्देश

निर्देश

तेजस टूडे ब्यूरो
शुभांशू जायसवाल/विरेन्द्र यादव



जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त किया। इस दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है, इसलिये विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करें। विद्यार्थियों की उपस्थिति, नियमित कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पठन-पाठन, कक्षाओं [illegible] सुझावों को भी सुना। उन्होंने शि[illegible] को विद्यार्थियों के साथ सहज एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

5 / 8

Indian Express



WORLD PHARMACIST DAY CELEBRATIONS HELD AT PURVANCHAL UNIVERSITY

World Pharmacist Day was celebrated at the Department of Pharmacy, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur, with various awareness and creative activities based on the theme "Empowering Pharmacists for a Healthier Future." The programme began with the ceremonial lamp lighting by Dr. Nripendra Singh, Head of Department (HOD), and Prof. Narendra Singh. Students participated enthusiastically in a rangoli competition, poster presentation and essay writing competition. The programme was conducted by Pooja, while the vote of thanks was proposed by Dr. Nripendra Singh. Dr. Vijay Bahadur Maurya, Dr. Surendra Kumar Singh, Dr. Jhansi Mishra, Dr. Surendra Kumar Gautam, Abhishek Kumar Yadav, Shakti Jaiswal, Hemant Dubey and Prashant Yadav, along with students, were present.

अवधनामा

कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पीयू की पहचान : कुलपति

- नियमित पठन-पाठन, शोध और विद्यार्थी हित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

अवधनामा संवाददाता



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है। इसलिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करें। विद्यार्थियों की उपस्थिति, नियमित कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पठन-पाठन, कक्षाओं की नियमितता और विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।